Bhashkar 16.10.12

बीएसएनएल कर्मचारियों ने दिया धरना

अजमेर। बीएसएनएल की संयुक्त संघर्ष समिति ज्वाइंट फोरम के आह्वान पर सोमवार को बीएसएनएल के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने आगरा गेट स्थित कार्यालय के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। जिला सचिव जीएस छाबड़ा ने बताया कि धरने में 50 कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। आईटीएस अधिकारियों को दूर संचार विभाग के लिए रिलीव किया जाए या फिर बीएसएनएल के कर्मचारियों को दूरसंचार विभाग में आने के लिए विकल्प दिया जाए। जिला सचिव पीआर नोगिया और वीपी शर्मा ने बताया कि यदि उनकी मांगों पर गौर नहीं किया तो 26 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली जाएगी। 29 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की जाएगी।

Punjab Keshri 16.10.12

विरोध-प्रदर्शन करते आईटीएस अधिकारी।

बीएसएनएल में आईटीएस अधिकारियों का विरोध जारी

अजमेर, (रोहिताश गुर्जर): भारत संचार निगम लिमिटेड में कार्यरत आईटीएस अधिकारियों का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को बीएसएनएल की संयुक्त अधिकारी-कर्मचारी समिति ने मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर आईटीएस अधिकारियों को अपने मूल विभाग में भेजने अथवा बीएसएनएल में समाहित करने की मांग की। समिति के सचिव जीएस छाबड़ा ने बताया कि जब तक केन्द्र सरकार बीएसएनएल कर्मियों को इनसे राहत नहीं दे देती, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि सोमवार को प्रधानमंत्री, संचार विभाग के सचिव एवं बीएसएनएल मुख्यालय के नाम सैविंग ग्राम भेजकर विरोध जताया।

NavJyoti 16.10.12

टेलीफोन एक्सचेंज पर धरना देते बीएसएनएल कर्मी। फोटो : श्रीकांत

आई.टी.एस. अधिकारियों के खिलाफ धरना

कार्यालय संवाददाता

अजमेर, 15 अक्टूबर। भारत संचार निगम में प्रतिनियुक्ति पर जमे इंडियन टेलीकॉम सर्विस के अधिकारियों (आई.टी.एस.) को वापस मूल विभाग में नहीं भेजने के विरोध में निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सोमवार को आगरा गेट स्थित मुख्य दूरभाष केन्द्र के बाहर एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया तथा प्रदर्शन किया। निगम के अधिकारी व कर्मचारियों के मुताबिक निगम में प्रतिनियुक्ति पर जमे हुए आई.टी.एस. अधिकारियों को दिल्ली उच्च न्यायालय ने 30 सितम्बर तक वापस मूल विभाग में भेजने का आदेश दिया था, लेकिन फिर भी सरकार एवं निगम प्रबंधन द्वारा इस आदेश की अवहेलना की जा रही है। धरने पर बैठने वालों में बी.एस.एन.एल. कर्मचारी एवं अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक वी.पी. शर्मा, सहायक महाप्रबंधक जी.एस. छाबड़ा, पी.आर. नोगिया, एस.के. जैन, जे.पी., अशोक यादव, मदनलाल माथुर, के.एन. ओझा, सी.एम. शर्मा, महावीर प्रजापति, महेश जेथलिया एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे।